वैक्सीन ही आपकी रक्षा करेगा....

वैक्सीनेशन के बाद भी मास्क बहुत जरूरी

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

CORONA SE MAT DARONA

WASH YOUR HAND FREQUENTLY WITH SOAP AND WATER

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-2 • 19 MAY TO 25 MAY 2021 • VOLUME-42 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING | DESIGN | TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges & *Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

मोदी ने 'ताउते' से प्रभावित इलाकों का किया हवाई सर्वेक्षण

1000 करोड़ रुपये की मदद का ऐलान

• **अहमदाबाद.एजेंसी**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चक्रवात ताउते से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए बुधवार को गुजरात और केंद्र शासित क्षेत्र दीव के प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। प्रभावित इलाकों का मुआयना करने के बाद प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद में एक बैठक भी की जिसमें मुख्यमंत्री के अलावा उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल व राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। पीएमओ ने एक बयान में कहा कि पीएम मोदी ने गुजरात में तत्काल राहत गतिविधियों के लिए 1,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की।

केंद्र सरकार राज्य में नुकसान का आकलन करने के लिए राज्य में एक अंतर-मंत्रालयी दल भेजेगी। चक्रवात ताउते के कारण मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि पूरे भारत में प्रभावित सभी लोगों को दी जाएगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चक्रवात 'ताउते' के चलते तेल व प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के एक बजरे पर फंसे कर्मियों को बचाने के लिए चलाए जा रहे अभियान का बुधवार को जायजा लिया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

नौसेना अधिकारियों के अनुसार बजरे पी305 पर मौजूद लोगों में से कम से कम 22 की मौत हो चुकी है जबकि 65 लोग अब भी लापता हैं।

कोरोना के साथ मिली है कांग्रेस : विज

नई दिल्ली. देशभर में कोरोना वायरस महामारी अपने चरम पर है। हर रोज मृतकों की आंकड़ों में बढ़ोतरी हो रही है। इन सबके बीच कोरोना वायरस को लेकर राजनीति भी अपने चरम पर है। विपक्ष सत्ता पक्ष पर आरोप लगा रहा है तो वहीं सत्ता पक्ष विपक्ष पर नकारात्मक राजनीति करने के लिए पलटवार कर रहा है। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने आज कांग्रेस पर हमला किया है। अनिल विज ने कहा कि कांग्रेस, कोरोना के साथ मिली है। इनके नेताओं के बयान यह लड़ाई लड़ रहे लोगों का उत्साह कम करने वाले हैं। इस लड़ाई के मुखिया पीएम पर भी वे रोज प्रहार कर रहे हैं। वे कोरोना के खिलाफ जंग को बाधित करना चाहते हैं। वे अपने मकसद में कामयाब नहीं होंगे।

अनिल विज ने इसके आगे कहा कि हमारी 5,000 टीमें घर-घर जा रही हैं। लगभग 3,00,000 परिवारों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। हमारे पास 12,000 के करीब बिना ऑक्सीजन वाले बेड खाली हैं, 4,274 ऑक्सीजन बेड खाली हैं।

आईसीयू वाले 691 ऑक्सीजन बेड खाली हैं और 242 वेंटिलेटर खाली हैं। किसी चीज की कमी नहीं है। आपको बता दें कि भारत में एक दिन में कोविड-19 से 4,529 और लोगों की मौत के बाद देश में संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 2,83,248 हो गई।

नारद स्टिंग टेप मामले में सुनवाई स्थगित, जेल में ही रहेंगे नेता

कोलकाता. कलकत्ता उच्च न्यायालय ने नारद स्टिंग टेप मामले में सुनवाई वीरवार के लिये स्थगित कर दी। इस मामले में पश्चिम बंगाल के दो मंत्री, एक विधायक और कोलकाता के पूर्व महापौर को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। उच्च न्यायालय में बुधवार को सुनवाई स्थगित होने के कारण मंत्री सुब्रत मुखर्जी और फिरहाद हाकिम, तृणमूल कांग्रेस के विधायक मदन मित्रा और कोलकाता के पूर्व महापौर सोवन चटर्जी न्यायिक हिरासत में रहेंगे। सुनवाई स्थानांतरित करने की सीबीआई की याचिका और सोमवार को सीबीआई की एक अदालत द्वारा दिए गए जमानत पर उच्च न्यायालय के स्थगन को वापस लेने की चारों नेताओं की याचिका पर मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी की पीठ वीरवार को सुनवाई करेगी। नारद स्टिंग मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए चारों नेताओं को निचली अदालत ने जमानत दे दी थी लेकिन उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी थी।

कोरोना मुक्त गांव अभियान

डीसी ने दिए कोविड लक्षण वाले मरीज़ों की पहचान के आदेश

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

डिप्टी कमिश्नर जालंधर घनश्याम थोरी की तरफ से मुख्यमंत्री पंजाब द्वारा शुरू किये गए 'कोरोना मुक्त गाँव अभियान' के अंतर्गत ज़िले के सभी 890 गांवों में घर -घर जा कर सर्वेक्षण करके कोरोना वायरस के लक्षणों वाले मरीज़ों की पहचान करने के आदेश जारी किये हैं।

प्रमुख सचिव हुस्न लाल के साथ वर्चुअल बैठक में पहुंच करते हुए डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि ज़िलो के सभी गाँवों में कोरोना वायरस के लक्षणों वाले मरीज़ों की पहचान करने के लिए बड़े स्तर पर स्क्रीनिंग अभियान चलाया जायेगा, जिससे समय पर इलाज किया जा सके। डीसी ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि आऊटरीच प्रोगराम के अंतर्गत फील्ड आधिकारियों की तरफ से ज़िले के ग्रामीण क्षेत्रों के हर घर जा कर फ्लू के लक्षणों से प्रभावित लोगों की जांच की जायेगी। श्री थोरी ने बताया कि टीमों की तरफ से आक्सीजन के स्तर की जांच की जायेगी और यदि आक्सीजन का स्तर 94 प्रतिशत से नीचे आता है, तो उनका कोविड टैस्ट पाजिटिव आने पर जल्द इलाज शुरू किया जायेगा।

रैमडीसीविर टीके की कालाबाजारी रोकने के लिए केस दर्ज करने का आदेश

कोविड -19 के इलाज में इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं की काला बाज़ारी करने वालों ख़िलाफ़ सख्त कार्यवाही करते हुए ज़िला प्रशासन ने पुलिस विभाग को कहा कि एक व्यक्ति रैमडीसीविर टीके की काला बाज़ारी करने में लिप्त है, उसके ख़िलाफ़ एफ.आई.आर दर्ज की जाये। इस सम्बन्धित जानकारी देते हुए डीसी घनश्याम थोरी ने कहा कि मिस. रीमा गुगलानी की तरफ से लव मेहरा नाम के व्यक्ति ख़िलाफ़ इस टीके को जमा करने सम्बन्धित शिकायत प्राप्त हुई थी। उन्होनें बताया कि शुरूआती जाँच दौरान लगाए गए दोष सही पाए गए थे। उन्होनें कहा कि ऐपीडैमिक एक्ट और डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट के अंतर्गत पुलिस विभाग को एफ.आई.आर दर्ज करने की सिफ़ारिश की गई है। उन्होनें ज़िला निवासियों को यह भी अपील की कोविड के इलाज में अधिक पैसे वसूलने व किसी भी अस्पताल की तरफ से की जा रही लापरवाही सम्बन्धित जानकारी ज़िला प्रशासन को वटसएप नंबर 9888981881 और 9501799068 के द्वारा सबूतों सहित दी जाए।

कोविड टैस्ट के अधिक पैसे लेने संबंधी पर्दाफाश करने वाला युवक सम्मानित

डीसी ने कोविड -19 महामारी दौरान गलत ढंग और कोविड के इलाज और टैस्ट में अधिक पैसे वसूलने सम्बन्धित पर्दाफाश करने वाले व्यक्ति को सम्मानित करने के वायदे को पूरा किया। उन्होंने ने आज आर.टी.-पी.सी.आर. टैस्ट में अधिक पैसे लेने संबंधी घटना को उजागर करने वाले पत्रकार को 25000 रुपए नगद इनाम दे कर सम्मानित किया।

ये पब्लिक है सब जानती है...अंदर क्या है, बाहर क्या है ये सबको पहचानती है...

जब रक्षक ही भक्षक बन जाए ऐसे में किसी न किसी को जिम्मेवारी तो लेनी होगी

मित्तरां दा ना चलदा...

आपने कहावत तो सुन रखी है..."दीवार के भी कान होते हैं", "ऊपर वाला सब देख रहा है"। बिल्कुल ऐसा ही कुछ समय से देखने को मिल रहा है। पहरेदार, चौकीदार ये अपना काम बेशक भूल गए हों...लेकिन ये नया अवतार अपना काम बखूबी कर रहा है। इस अवतार के कई नाम है। इन्हें लोग सीसीटीवी, मोबाईल कैमरा आदि के नाम से जानते हैं...तो ऐसा है कुछ भी गलत करने से पहले इस चौकीदार को जरूर याद करना, हो सकता है आपका इरादा बदल जाए...और आप गुनाह करने से बच जाएं...

सभी फोटो : सोशल मीडिया से साभार

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

पहला : पिछले दिनों पंजाब पुलिस के कर्मचारियों को सोशल मीडिया पर लोगों द्वारा काफी ट्रोल किया गया। जिसमें एक कर्मचारी को किसी गरीब सब्जी वाले की रेहड़ी पर लात मारते लोगों ने कैमरे में कैद कर लिया।

दूसरा : बठिंडा का एक वीडियो सामने आया जिसमें सीआईए ब्रांच में तैनात एक पुलिस मुलाज़िम पर विधवा के साथ गंदी हरकते करते रंगे हाथ गांव के लोगों ने पकड़ा था।

वहीं विधवा औरत उस मुलाजिम की ब्लैकमेलिंग से इतना परेशान हो गई थी कि वह किसी भी हद तक जाने को मजबूर हो गई। लेकिन यह दंश झेलना उसे मंजूर न था। उसने आपबीती अपने करीबियों व गांव के ही गणमान्य लोगों को बताई और इसी योजना के तहत लोगों ने भी उस बहादुर महिला का साथ दिया और उस पापी पुलिस मुलाजिम को रंगे हाथ न सिर्फ पकड़ा बल्कि उसकी वीडियो बना सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया।

विधवा औरत ने पुलिस मुलाजिम द्वारा उसके बेटे पर एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत झूठा मुक़दमा दर्ज करवाए जाने का आरोप भी लगाया गया।

तीसरा : तीसरी तस्वीर में एक पुलिस मुलाज़िम सड़क पर खड़ी रेहड़ी से अंडे चुराते हुए कैमरे में कैद हो गया।

हालांकि तीनों मामलों में उच्च अधिकारीयों द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषी मुलाजिमों को नौकरी से सस्पेंड या डिसमिस कर दिया गया था।

यह सब इसलिए सामने आ सका क्योंकि कहावत तो सुनी ही होगी..."सौ सुनार की, एक लुहार की"। तो...इन सबको कैमरे में कैद कर लिया गया था जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

लेकिन अधिकांश ऐसे मामले जो लोगों के सामने ही नहीं आ पाते और सबूत के अभाव में इस तरह का गुनाह बदस्तूर सदियों से जारी है। इसकी जिम्मेवारी कौन लेगा। ज्यादातर मामले तो मौके पर ही डरा-धमका कर रफा-दफा कर दिए जाते हैं।

गौरतलब है कि पुलिस जिसे लोगों की समस्याओं को सुनने और उन्हें सही ढंग से कानून के अंतर्गत सुलझाने की जिम्मेवारी निभानी होती है। अगर वही कर्मचारी कानून की धज्जियां उड़ाने लगेंगे और अपने स्वार्थ के लिए लोगों पर गलत पर्चे डालने का काम करेंगे। ऐसे में लोगों का कानून पर व उसके रखवालों से विश्वास उठ जाएगा। क्या महिलाएं या बजुर्ग इस तरह के कर्मचारियों के होते अपनी शिकायत संबंधित थानों में दर्ज करवा पाएंगे? यह चर्चा का विषय बना हुआ है। क्यों नहीं पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा हर महीने सभी सम्बंधित थानों में कार्य कर रहे मुलाज़िमों का रिपोर्ट कार्ड बनाया जाता।?

जिन कर्मचारियों को कानून के बारे में जानकारी कम है उन्हें उस बाबत ट्रेंनिग दी जाए। ऐसे मुलाजिम जो देश को क्षति पहुंचाने का काम करते हैं उनपर देशद्रोह का मुकद्मा चलाना चाहिए। जिससे कोई भी अधिकारी या कर्मचारी कानून को हाथ में लेने से पहले एक बार किए जाने वाले अपराध के सजा के बारे में जरूर सोचे।

गर्मी में दिखना है एकदम कूल तो ऐसे पाएं ट्रेंडी लुक

गर्मी के दिनों में स्टाइल से रहने की पूरी आजादी मिल जाती है। इस मौसम में हाफ-फुल साइज के ड्रेस हम दिल खोलकर पहन पाते हैं। हालांकि हम लोग गर्मी से थोड़े परेशान तो रहते हैं, मगर गर्मी के ट्रेंडी कपड़ों के कारण हमें इससे निजात मिल जाती है। इस मौसम में कूल लुक पाने के लिए कुछ ऐसे ड्रेसिंग टिप्स हैं, जो कि हमें आजमाने चाहिए। अगर आप गर्मी के दिनों में इस तरह के ड्रेस अपना लेते हैं, तो इससे आसानी से ट्रेंडी और कूल लुक पा सकते हैं।

• टी-शर्ट • कुर्ता • चिनोज | केवल इन चीजों से ही गर्मी में बात नहीं बनने वाली। इसके अलावा भी कई चीजें हैं, जिन्हें आप आजमा सकते हैं।

फोटो साभार Shutterstock

• ट्रेंडी शॉर्ट्स

गर्मी के दिनों में चिनोज, फॉर्मल पैंट और जींस भी पहन सकते हैं। इसके अलावा पुरुषों के लिए शॉर्ट्स भी बेहतर ऑप्शन हैं। गर्मी के दिनों में सफर करने के दौरान या शॉपिंग आदि जाने के लिए इसे ट्राय कर सकते हैं।

ये शॉर्ट्स ना केवल देखने में अच्छे होते हैं बल्कि कंफर्ट के मामले में भी बेस्ट हैं। शॉर्ट्स के कलर को अपनी पसंद के अनुसार चुन सकते हैं। ऐसे कलर चुनें जो गर्मी के लिए परफेक्ट माने जाते हैं।

इनको आप टी-शर्ट, हाफ शर्ट या फुल डेनिम शर्ट के साथ पहन सकते हैं। इनके साथ शॉर्ट्स की मैचिंग सबसे परफेक्ट होती है। अगर आप इनको खरीदना चाहते हैं तो ऑनलाइन या शॉपिंग मॉल से ले सकते हैं। खासकर, प्लेन शॉर्ट्स ही खरीदें। इसकी मदद से आप सच में गर्मी में भी जलवा बिखेर सकते हैं।

• समर फुटवियर्स

फोटो साभार Shutterstock

गर्मी के दिनों में ड्रेस का स्टाइल एकदम बदल जाता है, इसलिए मौसम के हिसाब से आपको फुटवियर्स चुनना आना चाहिए। इससे आप ना केवल स्टाइलिश दिख सकते हैं बल्कि अपने पैरों का ख्याल भी रख सकते हैं।

गर्मियो में चिनोज, शॉर्ट्स, जींस, कार्गो पैंट आदि के हिसाब से फुटवियर्स चुनें। इससे आप ऊपर से लेकर नीचे तक एकदम परफेक्ट नजर आएंगे। गर्मी के दिनों में आप अपनी पसंद के हिसाब से स्लीपर, चप्पल, सैंडल आदि चुन सकते हैं। इन सबके अलावा अगर आप लोफर्स और स्निकर्स भी पहन सकते हैं।

• कैप और गॉगल्स

फोटो साभार pinterest.com

समर सीजन में कैप या हैट सुंदरता में चार चांद लगाने का काम करते हैं। इनको शॉर्ट्स या अन्य समर ड्रेस के साथ पहन सकते हैं। इससे आप ना केवल फैशनेबल बनते हैं, बल्कि धूप से हमारे सिर व बाल की सुरक्षा भी हो जाती है।

अगर आप इनको खरीदना चाहते हैं तो बॉलीवुड स्टार के हैट और कैप को देख सकते हैं।

सनग्लास यानी गॉगल्स भी आपको ट्रेंडी लुक देने का काम करते हैं। अगर आप गर्मी के दिनों में सबसे अलग व हैंडसम दिखना चाहते हैं तो इनको पहनना ना भूलें। इससे पता चलता है कि आप कितने स्टाइलिश हैं। आजकल कई प्रकार के ट्रेंडी सनग्लास/ गॉगल्स आपको ऑनलाइन कम से कम दाम में मिल रहे हैं।

गर्मियों के लिए परफेक्ट व कंफर्ट ड्रेस खरीदने के लिए समर फैशन टिप्स की मदद ले सकते हैं।

धांसू फीचर्स से होगी लैस : स्कोडा कुशाक

संस्कृत के शब्द पर बनी यह कार भारत में लॉन्च के लिए तैयार

• नई दिल्ली.ब्यूरो

स्कोडा ऑटो इंडिया भारत में अपनी स्कोडा कुशाक को लॉन्च करने के लिए तैयार है। कंपनी अपनी आने वाली इस नई एसयूवी को इस साल जून महीने में भारतीय बाजार में लॉन्च कर सकती है। हालांकि, कोरोना की दूसरी लहर के देखते हुए इसकी लॉन्चिंग आगे-पीछे हो सकती है। दरअसल, कंपनी के सर्विस और मार्केटिंग हेड जैक हालिस ने ट्विटर पर एक सवाल के जवाब में इस बात की पुष्टी की है कि स्कोडा कुशाक की डिलीवरी इस साल जुलाई महीने में शुरू हो जाएगी। बता दें कि कुशाक का 95 फीसदी हिस्सा भारत में बनेगा। इस एसयूवी में कुशाक शब्द संस्कृत से लिया गया है। यह एक राजा या सम्राट को दर्शाता है।

फोटो साभार overdrive.in

कलर ऑप्शन्स

स्कोडा कुशाक भारतीय बाजार में पांच कलर ऑप्शन्स में उपलब्ध होगी। इनमें कैंडी व्हाइट, ब्रिलियंट सिल्वर, कार्बन स्टील, हनी ऑरेंज और टोमेटो रेड शामिल हैं।

लुक

स्कोडा कुशाक का प्रोडक्शन मॉडल बहुत हद तक विजन इन कॉन्सेप्ट जैसा ही है। इसमें 17 इंच के स्पोर्टी डुअल टोन अलॉय व्हील्स और डुअल-टोन बंपर्स दिए गए हैं। हालांकि, इसके लोवर और मिड वेरिएंट में ग्राहकों को 16-इंच के स्टील रिम्स और 16-इंच के अलॉय ही मिलेंगे। इसमें स्कोडा सिग्नेचर स्टाइल क्रोम- फिनिश्ड ग्रिल दिया गया है। इसमें एलईडी टेललाइट्स दी गई हैं।

डायमेंशन

स्कोडा कुशाक का व्हीलबेस 2,651 मिलीमीटर और ग्राउंड क्लीयरेंस 188 मिलीमीटर है। इसकी लंबाई 4,221 मिलीमीटर, चौड़ाई 1,760 मिलीमीटर और ऊंचाई 1,612 मिलीमीटर है। इस सेगमेंट में यह एकलौती ऐसी कार है, जिसमें सबसे ज्यादा व्हीलबेस मिलेगा।

सेफ्टी फीचर्स

इसमें 6 एयरबैग्स, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग, इएससी, आइसोफिक्स चाइल्ड सीट माउंट्स, हिल-होल्ड कंट्रोल, ऑटो हेडलैंप्स और वाइपर्स, मल्टी-कोलिजन ब्रेकिंग सिस्टम जैसे सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं।

परफॉर्मेंस

भारतीय बाजार में स्कोडा कुशाक दो पेट्रोल इंजन के साथ लॉन्च होगी। इनमें, 1.0 लीटर,3-सिलिंडर टीएसआई और 1.5-लीटर, 4-सिलिंडर टीएसआई इंजन शामिल हैं। इसका 1.0 लीटर का 3-सिलिंडर वाला टीएसआई इंजन 113 बीएचपी की मैक्सिमम पावर जेनरेट करेगा। वहीं, इसका 1.5-लीटर का 4-सिलिंडर वाला टीएसआई इंजन 147 बीएचपी की मैक्सिमम पावर जेनरेट करेगा। स्कोडा कुशाक के दोनों ही इंजन में ग्राहकों को 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स बतौर स्टैंडर्ड मिलेगा। वहीं, 1.0 लीटर टीएसआई इंजन में 6-स्पीड एएमटी और 1.5-लीटर टीएसआई इंजन में 7-स्पीड डीएसजी का विकल्प मिलेगा।

फीचर्स

इसके कैबिन में ग्राहकों को डुअल-टोन पेंट स्कीम मिलेगा। इसके फीचर्स की बात करें, तो इसमें 10-इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो को सपोर्ट करता है। इसमें वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, रियर में एसी वेंट्स, वायरलेस मिररलिंक, एसआईडी इंस्ट्रूमेंट कंसोल, एंबीयंट लाइटिंग, 7-स्पीकर म्यूजिक सिस्टम, क्रूज कंट्रोल, 2-स्पोक स्टीयरिंग व्हील, स्टीयरिंग माउंटेड कंट्रोल्स, ऑटो-डीमिनिंग आईआरवीएमएस, वायरलेस चार्जर और माई स्कोडा कनेक्ट जैसे फीचर्स मिलेंगे।

बच्चों को इस तरह पहना सकते हैं सालों-साल कपड़े, कभी नहीं होंगे छोटे या पुराने

• जालंधर ब्रीज. फीचर रिपोर्टर

बच्चों के कपड़ों पर बहुत पैसे खर्च होते हैं और जब उनका पूरा इस्तेमाल न हो पाए, तो दिल दुखता है।

बच्चे के पैदा होने के बाद से लेकर उसके बड़े होने तक हम न जाने उसके लिए कितने कपड़े खरीद लेते हैं। बच्चा बड़ा हो जाता है और पुराने कपड़े रखे रहते हैं। इस चक्कर में अलमारी में कितने की कपड़ों का ढेर लग जाता है। बच्चों के कपड़ों पर पैसे भी बहुत खर्च होते हैं और कुछ टाइम के बाद इन कपड़ों का कोई काम भी नहीं रह जाता है। आप कुछ कपड़े तो फिर भी रिश्तेदारों के बच्चों को दे सकती हैं लेकिन महंगे कपड़े तो देने का भी मन नहीं करता है।

ऐसे में महिलाओं को अक्सर यह चिंता सताती है कि कैसे बच्चों के कपड़ों को ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया जा सके और पैसों की बचत के साथ-साथ कपड़ों का ढेर लगने से भी रोका जा सके।

बड़े कपड़े खरीदें

बच्चे बहुत तेजी से बड़े होते हैं और ऐसे में उनके कपड़े भी जल्दी छोटे हो जाते हैं। बेहतर होगा कि आप अपने बच्चे की उम्र के हिसाब से एक साइज बड़ा ही कपड़ा खरीदें। स्ट्रेचेबल पैंट खरीदें जिसे बच्चा थोड़ा बड़ा होने पर भी पहन सके। इससे बच्चा अपनी पसंद के कपड़ों को लंबे समय तक पहन पाएगा।

कपड़ों की क्वालिटी

अच्छी क्वालिटी की चीजें, लंबे समय तक चलती हैं और कपड़ों के मामले में भी यह रूल सही साबित होता है। बच्चों के कपड़ों में डेनिम, हाई काउंट कॉटन के कपड़े ज्यादा टाइम तक चलते हैं। खरीदने से पहले कपड़े के बटन, चेन और ड्यूरेबिलिटी जरूर देख लें। कपड़े छोटे के बाद आप उनसे कोई जरूरी आइटम भी बना सकते हैं।

ठंडे पानी से धोना

बच्चों के कपड़ों को गर्म पानी की बजाय ठंडे पानी से धोना चाहिए। इससे कपड़े लंबे चलते हैं। गर्म पानी कपड़ों के फाइबर को ढीला कर सकते हैं जिससे वो जल्दी खराब हो सकते हैं। कई डिटर्जेंट भी कोल्ड वॉश फॉर्मूला में आते हैं जो कपड़ों को नुकसान पहुंचाए बिना ही उनकी धुलाई करते हैं।

मेंटेन करने पर है बात

खेलने-कूदने वाले बच्चों के कपड़ों पर धूल-मिट्टी आसानी से लग जाती है। बच्चों के कपड़ों पर छेद होना या दाग लगना तो आम बात है। आप ऐसे कपड़ों को फेंके नहीं बल्कि उससे मिलते-जुलते किसी फैब्रिक से उस पर पैच लगा दें। कपड़े पर दाग लग गया है तो उस दाग को समय रहते ही साफ कर लें।

दूसरे बच्चे के लिए रख दें

जो कपड़े महंगे हैं और बढिया क्वालिटी के हैं, उन्हें पैक कर के रख दें। आप ये कपड़े अपने दूसरे बच्चे या किसी सहेली के बच्चे को भी दे सकती हैं। बेहतर होगा कि आप ऐसे कपड़े खरीदें, जो लड़का और लड़की दोनों पहन सकें।

इससे बच्चों के कपड़ों को ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया जा सकता है। कुछ कपड़ों से हमारी यादें जुड़ी होती हैं जैसे कि बच्चे के पहले जन्मदिन के कपड़े। इन कपड़ों को फेंका ही नहीं जाता है। इन्हें आप संजोकर अपने पोता-पोती या नाती-नातिन के लिए रख लें।

डायबिटीज और हाई बीपी वालों के लिए रामबाण हैं ये 3 पत्तियां

खाते ही कंट्रोल में आ जाती है बीमारी

डायबिटीज और हाइपरटेंशन ऐसी समस्याएं हैं जो शरीर में कई बीमारियों को जन्म देती हैं। लेकिन आयुर्वेद का एक छोटा सा नुस्खा अपनाया जाए तो आप इन दोनों की स्थिति को नियंत्रित कर सकते हैं। आइए जानते हैं डायबिटीज और हाइपरटेंशन कंट्रोल करने के घरेलू उपाय...

सभी फोटो साभार : Istockphoto.com

तुलसी

करी पत्ता

नीम पत्ता

• जालंधर ब्रीज. हेल्थ रिपोर्टर

आज भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी डायबिटीज और हाइपरटेंशन के लाखों करोड़ों मरीज मौजूद हैं। लेकिन अगर आप भारत में हैं तो आप भाग्यशाली हैं क्योंकि यहां आयुर्वेद के कुछ ऐसे नुस्खे भी मौजूद हैं जो आपको इन बीमारियों से राहत दिलाने का कार्य करते हैं।

आयुर्वेद सदियों से ही भारत में कई बीमारियों का उपचार करने का कार्य करता है। ऐसे में अगर आपको डायबिटीज या हाइपरटेंशन की समस्या है तो इसके लिए केवल आपको कुछ पेड़ पौधों की तीन पत्तियों का सेवन खाली पेट करना होगा। इससे ना केवल आपकी यह दोनों समस्या नियंत्रण में रहेंगी बल्कि शरीर से जुड़ी कई समस्याओं से भी आप बचे रहेंगे। आइये जानते हैं कौन सी हैं वह तीन पत्तियां जो इन जटिल बीमारियों की नाक में नकेल कसने का कार्य कर सकती हैं।

तुलसी के पत्ते

तुलसी के पौधे की हिंदू धर्म के अंदर पूजा की जाती है। आयुर्वेद के नजरिए से तुलसी सबसे गुणकारी औषधियों में से एक है। इसे जड़ी बूटियों की रानी भी कहा जाता है। तुलसी के अंदर ऐसे कई गुण होते हैं जो आपको हृदय से जुड़ी समस्याओं से भी बचा कर रखते हैं। वहीं अगर आपको डायबिटीज और हाइपरटेंशन है तो आपको तुलसी के पत्ते का सेवन रोजाना जरूर करना चाहिए।

नोट : आपको बता दें कि तुलसी के अंदर अधिक मात्रा में मरकरी और आयरन होता है, जो तब रिलीज होता है जब हम इन्हे चबाते हैं। तुलसी के यह गुण आपके दांतों के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। लेकिन यह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब कोई व्यक्ति अधिक मात्रा में तुलसी के पत्तों का सेवन करें। ऐसे में अगर आप तुलसी के पत्तों का सेवन करें तो इसके लिए आप पहले पत्तों को मिक्सी में पानी के साथ मिक्स करें और फिर इनका सेवन करें।

करी पत्ता

करी पत्ते का पौधा भी आमतौर पर घरों में ही लगाया जाता है। कुछ लोग करी पत्ते को मीठी नीम के नाम से भी जानते हैं। इसका उपयोग बहुत से व्यंजनों का जायका बढ़ाने का कार्य तो करता ही है। साथ ही इसके अंदर कई ऐसे गुण होते हैं जो आपकी सेहत पर सकारात्मक असर दिखाते हैं।

वहीं डायबिटीज से पीड़ित व्यक्ति के लिए करी पत्ता और भी ज्यादा लाभदायक होता है। इसके रोजाना सेवन से आपके शरीर में इंसुलिन का उत्पादन बढ़ सकता है। इसके अलावा यह आपके ब्लड में मौजूद शुगर लेवल को नियंत्रित करता है।

नीम के पत्ते

नीम की दातुन का उपयोग आपने दांत साफ करने के लिए जरूर किया होगा। इसके अलावा बताया जाता है कि नीम के पत्तों के सेवन से आपको कील मुहांसों की समस्या भी नहीं होती। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह डायबिटीज जैसी बीमारी को भी नियंत्रित कर सकते हैं। अगर आपको मधुमेह है तो इसके सेवन से आपके ब्लड में मौजूद शुगर लेवल कम होने लगता है। लेकिन ध्यान रहे कि इसके अधिक सेवन से शुगर लेवल बहुत कम भी हो सकता है जो आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

ऐसे में आपको मधुमेह की दवा की खुराक कम करनी पड़ सकती है। इसलिए जब आप नीम के पत्तों का सेवन करें तो नियमित रूप से अपनी जांच भी करते रहें। इसके अलावा नीम के पत्तों के अंदर एंटीहिस्टामाइन प्रभाव भी होता है जो रक्त वाहिकाओं को पतला कर सकता है। इसके इन्हीं गुणों की वजह से यह हाई बीपी को नियंत्रित करने में भी काम आ सकते हैं। अगर आपको नीम के पत्तों का सेवन करने में दिक्कत होती है तो आप इसके कैप्सूल का सेवन भी कर सकते हैं।

डिस्कलेमर : *आपको बता दें कि यह मात्र साधारण उपाय हैं इनका सेवन करने से पहले आप अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें।*

यूटिलिटी न्यूज

सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह मामले में वाईएसआरसी के बागी सांसद के मेडिकल ट्रायल का आदेश दिया

नई दिल्ली. उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निर्देश दिया कि राजद्रोह के मामले में गिरफ्तार वाईएसआर कांग्रेस के बागी सांसद के रघु रामकृष्ण राजू को चिकित्सीय परीक्षण के लिये तेलंगाना में सिकंदराबाद स्थित सेना के अस्पताल ले जाया जाए। न्यायमूर्ति विनीत सरन और न्यायमूर्ति बी आर गवई की अवकाशकालीन पीठ ने निर्देश दिया कि राजू को अगले आदेश तक सिकंदराबाद में सेना के अस्पताल में ही रखा जाए। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारी की मौजूदगी में ही उनका चिकित्सीय परीक्षण किया जाए। शीर्ष अदालत ने कहा कि राजू के चिकित्सीय परीक्षण की वीडियोग्राफी कराई जाए और सील बंद लिफाफे में इसकी रिपोर्ट न्यायालय को भेजी जाए। पीठ ने कहा कि राजू की चिकित्सीय जांच तीन चिकित्सकों के बोर्ड द्वारा की जाएगी जिसकी अध्यक्षता सेना के अस्पताल के प्रमुख करेंगे। पीठ ने कहा कि उन्हें 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाए जैसा की पूर्व में दिल्ली उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया था। राजू ने अपनी सुरक्षा को लेकर पिछले साल दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी।

केवल 1 रुपए मंथली में मिलता है 2 लाख रुपए का इंश्योरेंस, मुसीबत में ऐसे आता है काम

नई दिल्ली. कोरोना के इस दौर में हेल्थ इंश्योरेंस की अहमियत लोगों को समझ में आ चुकी है। इसी का असर है कि हेल्थ इंश्योरेंस में केवल मई महीने में अबतक 57 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की गई है। केवल प्राइवेट कंपनियां ही नहीं बल्कि लोगों के बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए मोदी सरकार ने एक योजना 2015 से ही चला रखी है। इस योजना का मकसद देश के पिछड़े वर्ग तक को सवास्थ्य सुरक्षा योजना मुहैया कराना है। इसलिए सरकार ने इसका प्रीमियम भी नाम मात्र का ही रखा हुआ है। मोदी सरकार की इस स्कीम का नाम प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा बीमा योजना है। इस योजना के जरिए सरकार देश के निम्न आय वर्ग के लोगों को लाभ पहुंचा रही है। इस सरकारी स्कीम का प्रीमियम पूरे साल का केवल 12 रुपए होता है मतलब महीने का केवल 1 रुपया। इस योजना से सरकार उन लोगों को मुश्किल वक्त में बीमा की सुविधा मुहैया कराती है।

1 रुपए महीने में 2 लाख का इंश्योरेंस : PMSBY के लिए 18-70 उम्र वर्ग के लोग आवेदन कर सकते हैं। योजना का फायदा उठाने के लिए बचत खाता होना अनिवार्य है। इस स्कीम के तहत बीमा लेने वाले की एक्सीडेंट में मौत होने या पूरी तरह से अपंग होने पर 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा मिलता है। स्थायी रूप से आंशिक अपंग होने पर 1 लाख रुपये का कवर मिलता है। 18 से 70 साल तक की उम्र के भारतीय PMSBY का लाभ ले सकते हैं वो भी केवल 12 रुपए का सालाना प्रीमियम भरकर।

ऐसे मिलता है लाभ : अगर आप इस योजना के तहत पॉलिसी लेना चाहते हैं तो आप किसी भी बैंक में सीधे जाकर इस योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा और भी की तरीके हैं जिनके जरिए आप ये पॉलिसी ले सकते हैं। इनमें बैंक मित्र, बीमा एजेंट और सरकारी और प्राइवेट बीमा कंपनियां भी शामिल हैं। इसका प्रीमियम सीधे आपके बैंक खाते से ऑटो डेबिट हो जाता है। कोरोना जैसी मुश्किल घड़ी में यह योजना उनके लिए वरदान है जिनकी आय बेहद कम है और वो अपने पैसे से इलाज कराने में सक्षम नहीं हैं।

क्या होता है गोल्ड एक्सचेंज जो अब भारत में खुलेगा

नई दिल्ली. भारत में जल्द ही गोल्ड एक्सचेंज की शुरुआत होगी। अगर आसान शब्दों में कहें तो शेयरों की तरह ही सोना भी खरीदा और बेच जा सकेगा। शेयर बाजार रेग्युलेटर सेबी ने इसको लेकर नए प्रस्ताव जारी किए है। नए प्रस्तावों पर सेबी ने सभी से 18 जून तक राय मांगी है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि गोल्ड एक्सचेंज की स्थापना की दिशा में बढ़ाए कदम बहुत बेहतर है। उम्मीद की जा रही है कि इससे भारत के गोल्ड बाजार को

दम मिलेगा। इसके साथ ही हमारे आयात बिल में भी थोड़ी कमी देखी जा सकती है.एक्सचेंज के आने से फिजिकल गोल्ड में व्यापार करना आसान हो जाएगा। ज्वेलर्स एक्सचेंज का हिस्सा बन सकते हैं और गोल्ड का ट्रांसफर भी कर सकते हैं। इससे आम निवेशकों और ग्राहकों का भी फायदा होगा।

क्या होगा गोल्ड एक्सचेंज का नाम : गोल्ड एक्सचेंज शेयर बाजार की तरह होगी। शेयरों की तरह ट्रेडिंग भी की जा सकेगी। साथ ही, सोने की फिजिकल डिलीवरी भी होगी यानी सोना भी खरीदा जा सकता है। सेबी ने ड्राफ्ट प्रस्तावों में बताया गया है कि नई गोल्ड एक्सचेंज का नाम इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीप्ट होगा।

अभी दुनिया में कौन सी जगहों पर है गोल्ड एक्सचेंज : आपको बता दें कि दुनिया के कई देशों में गोल्ड एक्सचेंज मौजूद है। यहां पर बड़ी मात्रा में सोने का कारोबार किया जाता है. चीन के शांघाई, हांगकांग और यूके में लंदन, अमेरिका में न्यूयॉर्क दुनिया की सबसे प्रसिद्ध गोल्ड एक्सचेंज हैं।

बंद पड़े बैंक खातों में भी मिलता है ब्याज

नई दिल्ली. कोरोना महामारी के दौर में एक तो बीमारी लगातार लोगों का पीछा कर रही है, ऊपर से काम धंधे ठप होने की वजह से आर्थिक नुकसान हो रहा है। देश में लगभग एक साल से ऐसे हालात बने हुए हैं। इस वजह से लोग आर्थिक रूप से भी लोग कमजोर हो चुके हैं। ऐसे हालात में हम आपको ऐसा तरीका बताएंगे, जिससे आपको पैसे मिलने की संभावना बन सकती है। अगर आपका कभी किसी बैंक में खाता है और लेन-देन के अभाव में वह निष्क्रिय हो चुका है तो आप उसे दोबारा एक्टिवेट करा सकते हैं। निष्क्रिय खाते में भी नियमित रूप से ब्याज जुड़ता रहता है। जब से आपका खाता बंद पड़ा है तब से लेकर आज तक उसमें कुछ न कुछ ब्याज जरूर जुड़ा होगा।

जानिए कैसे निष्क्रिय होता है खाता : अगर किसी खाते में में 2-3 साल तक कोई लेन-देन नहीं होता है तो बैंक उसे निष्क्रिय घोषित कर देता है। ऐसा करने से पहले बैंक खाताधारकर से संपर्क करने की कोशिश करता है। ग्राहक की ओर से जवाब नहीं मिलने पर खाता इनऑपरेटिव घोषित कर दिया जाता है। वहीं यदि 10 साल तक खाते में कोई लेनदेन नहीं होता है तो उसे डॉरमेंट अकांउट घोषित कर दिया जाता है।

खाता फिर से चालू कराने में नहीं लगेगा कोई पैसा : आरबीआई ने साल 2014 में एक सर्कुलर जारी कर कहा था कि निष्क्रिय खातों में न्यूनतम बैलेंस न होने पर बैंक अपने ग्राहकों से किसी भी तरह का चार्ज नहीं वसूल सकते हैं। ऐसे में आपके खाते में चाहे कितने भी कम पैसे पड़े हों, उन पर नियमित रूप से ब्याज जुड़ता रहता है। इस अकाउंट को दोबारा एक्टिवेट करने के लिए कोई चार्ज भी नहीं लगता है। इसके लिए आपको अपने बैंक को एक ईमेल भेजना होगा और केवाईसी प्रोसेस के लिए आइडेंटिटी प्रूफ और एड्रेस प्रूफ भी फिर से जमा करना होगा। इसके बाद कुछ दिनों के अंदर आपका अकाउंट दोबारा एक्टिवेट हो जाएगा।

बैंक बंद नहीं करते कोई खाता : बैंक बिना खाताधारक के कहे अपनी ओर से कभी किसी खाते को बंद नहीं करते हैं। हालांकि, इस खाते को निष्क्रिय जरूर घोषित कर दिया जाता है। ताकि कोई उस खाते का गलत उपयोग न कर सके। आप अपनी बैंक शाखा में प्रार्थना पत्र देकर खाते को बंद करने का आग्रह भी कर सकते हैं। केवाईसी प्रोसेस पूरा होने के बाद अकाउंट हमेशा के लिए बंद कर दिया जाता है।

साल का पहला चंद्रग्रहण 26 मई को, इन राज्यों में देखा जा सकेगा

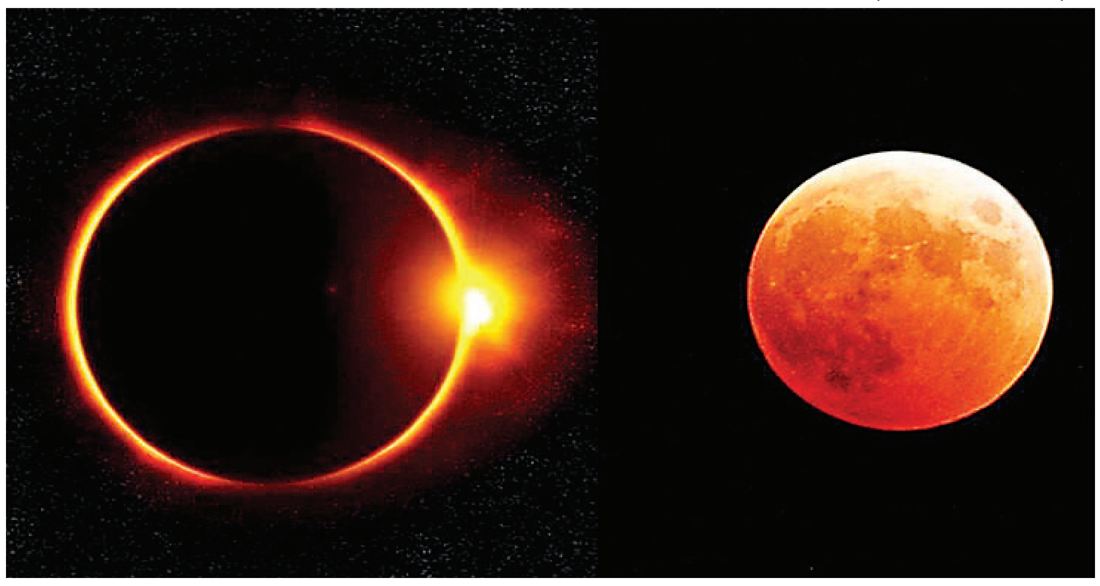

• इस वर्ष का चंद्रग्रहण भारत के पूर्वी इलाकों के कुछ हिस्सों में दिखाई देगा। कई महाद्वीपों से चंद्रग्रहण दिखेगा।

• नई दिल्ली.ब्यूरो

इस साल का पहला चंद्रग्रहण 26 मई बुधवार के दिन लगने जा रहा है। ग्रहों की चाल की दृष्टि से यह महीना महत्वपूर्ण है। मई के शुरुआत में बुध और शुक्र का गोचर वृषभ राशि में हुआ है। 14 मई को वृषभ में सूर्य देव का परिवर्तन होने वाला है। वहीं 26 मई को बुध मिथुन राशि में गोचर करेंगे। 30 मई से मिथुन में बुध वक्री हो जाएंगे।

इस वर्ष का चंद्रग्रहण भारत के पूर्वी इलाकों के कुछ हिस्सों में दिखाई देगा। देश का बाकी हिस्सा इस खगोलीय घटना को नहीं देख पाएगा। वहीं विश्व के कई महाद्वीपों से चंद्रग्रहण के नजारें को देखा जा सकेगा।

ग्रहण की शुरुआत दोपहर 2.16 बजे से शाम 7 बजकर 19 मिनट पर समाप्त होगा। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ खगोल विज्ञानी डा. शशि भूषण पांडेय ने बताया कि असम, बंगाल, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा में आंशिक ग्रहण यानी अंबरा नजर आएगा। भारत के अन्य हिस्सों में उपछाया वाला यानी पैनम्बरा ग्रहण रहेगा।

उपछाया वाला ग्रहण दिखाई नहीं देगा। दक्षिण एशिया, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी अमेरिका के कुछ हिस्से व दक्षिण अमेरिका से इस ग्रहण को देखा जा सकेगा। इसके बाद साल का दूसरा व अंतिम चंद्रग्रहण 19 नवंबर को होगा। यह चंद्रग्रहण भी पूर्ण ग्रहण होगा।

चंद्रग्रहण में मान्य नहीं होगा सूतक काल

साल 2021 का पहला चंद्रग्रहण 26 मई के दिन होगा। हालांकि, उपछाया चंद्रग्रहण होने के कारण इस दिन सूतक काल मान्य नहीं होगा। इस वजह से चंद्रग्रहण के मौके पर आपको किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी ना ही किसी पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। आमतौर पर चंद्रग्रहण के दौरान सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा एक लाइन में आ जाते हैं, पर उपछाया में ये तीनों एक लाइन में नहीं आते हैं इसी वजह से इसका सूतक मान्य नहीं होता है।

चंद्रगहण का वैज्ञानिक कारण

जब भी सूरज, चांद और पृथ्वी एक लाइन में आते हैं तो उस स्थिति को चंद्रग्रहण कहते हैं। इस दौरान चंद्रमा पृथ्वी से दिखाई नहीं देता है। दरअसल चांद के पास खुद की रोशनी नहीं है। वह सूर्य के प्रकाश को ही हमारी तरफ रिफलेक्ट करके चमकता है। जब भी पृथ्वी सूर्य और चांद के बीच में आती है, तब पृथ्वी की वजह से सूर्य की रोशनी चांद तक नहीं पहुंचती और वह दिखना बंद हो जाता है। इसके अलावा सूर्य, पृथ्वी और चांद के बीच में आ जाता है तब भी हम चांद को नहीं देख पाते हैं। तीसरी स्थिति में चांद सूर्य और पृथ्वी के बीच आता है और वह सूर्य की रोशनी पृथ्वी तक नहीं भेज पाता है ऐसी स्थिति में सूर्यग्रहण भी होता है।

चंद्रग्रहण का धार्मिक कारण

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चंद्र ग्रहण के समय चंद्रमा पीड़ित हो जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब राहु और केतु चंद्रमा को जकड़ लेते हैं तब चंद्र ग्रहण लगता है। इस वर्ष 26 मई 2021 को साल का पहला चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है। यह चंद्र ग्रहण उपछाया ग्रहण कहा जाएगा।

उपछाया चंद्र ग्रहण

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार उपछाया चंद्र ग्रहण के दौरान सूतक काल मान्य नहीं होता है। पूर्ण चंद्र ग्रहण के दौरान ग्रहण लगने से 9 घंटे पहले ही सूतक काल लग जाता है। 26 मई को लगने वाले ग्रहण के दौरान सूतक काल के नियमों का पालन नहीं किया जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अपील, इजरायल-फलस्तीन तुरंत बंद करें हिंसा

वाशिंगटन. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इजरायल और फलस्तीन दोनों से हिंसा को तत्काल समाप्त करने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस संघर्ष को भयावह करार दिया है।

संयुक्त राष्ट्र : गाजा पट्टी में इजरायली सैनिकों और फलस्तीनी आतंकवादी समूहों के बीच तनाव लगातार जारी है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने रक्तपात को तत्काल समाप्त करने का आहवान किया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को परिषद की खुली बहस के दौरान अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने संघर्ष को पूरी तरह से भयावह बताया और इसे तत्काल समाप्त करने का आहवान किया। गुटेरेस ने कहा, 'लड़ाई रुकनी चाहिए। इसे तुरंत रोकना चाहिए। एक तरफ रॉकेट और मोर्टार और दूसरी तरफ हवाई और तोपखाने की बमबारी बंद होनी चाहिए। मैं सभी पक्षों से इस कॉल पर ध्यान देने की अपील करता हूं।' संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने चेतावनी दी कि लड़ाई में एक असहनीय सुरक्षा और मानवीय संकट पैदा करने और उग्रवाद को और बढ़ावा देने की क्षमता है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि रक्तपात, आतंक और विनाश का यह मूर्खतापूर्ण चक्र तुरंत बंद होना चाहिए। बैठक के दौरान चीन ने बढ़ते संघर्ष को लेकर चार सूत्री प्रस्ताव रखा। विदेश मंत्री वांग यी के अनुसार, चार बिंदु हैं, युद्धविराम और हिंसा की समाप्ति सर्वोच्च प्राथमिकता, मानवीय सहायता एक तत्काल आवश्यकता, अंतरराष्ट्रीय समर्थन एक दायित्व और समाधान मौलिक तरीका होना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड ने कहा, 'इस पिछले सप्ताह की मानव संख्या विनाशकारी रही है। रॉकेट और हवाई हमलों से सैकड़ों लोग मारे गए और घायल हुए हैं, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं।' पिछले हफ्ते पूर्वी यरुशलम में इजरायली पुलिस के साथ झड़पों में सैकड़ों फलिस्तीनियों के घायल होने के बाद, गाजा पट्टी पर शासन करने वाले हमास ने इजरायल के खिलाफ रॉकेट हमले शुरू किए, जिसने गाजा में लक्ष्यों के खिलाफ तीव्र हवाई हमलों का जवाब दिया। 2014 के बाद से दोनों पक्षों के बीच भीषण लड़ाई में लगभग 200 फिलिस्तीनी और लगभग 10 से ज्यादा इजरायली मारे गए हैं।

सैन्य अभियान पूरी ताकत से जारी अभी और समय लगेगा : नेतन्याहू

गाजा सिटी : इजराइल और हमास के बीच जारी संघर्ष में मारे जाने वाले लोगों की संख्या बढ़ने के बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि सैन्य अभियान पूरी ताकत के साथ जारी है और इसमें अभी और समय लगेगा। टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल चाहता है कि हमास को बड़ी कीमत चुकानी पड़े और संघर्ष के करीब एक सप्ताह बाद शांति एवं सुरक्षा बहाली चाहता है। इजराइल द्वारा रविवार को गाजा सिटी पर किए गए हवाई हमलों में तीन इमारत नष्ट हो गईं और कम से कम 42 लोग मारे गए। इजराइल और हमास के बीच एक सप्ताह पहले शुरू हुए संघर्ष के बाद यह सबसे भीषण हमला था।

कोरोना वेरियेंट ढूंढने वाले एक्सपर्ट ग्रुप के अध्यक्ष पद से क्यों हटे शाहिद जमील

• नई दिल्ली.ब्यूरो

वरिष्ठ विषाणु विज्ञानी शाहिद जमील ने इंडियन सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टिया के वैज्ञानिक सलाहकार समूह (INSACOG) के अध्यक्ष पद से हट गए हैं। केंद्र सरकार ने इस समूह का गठन कोरोना वायरस के जीनोमिक वेरियेंट्स का पता लगाने के लिए किया है।

सरकार की आलोचना कर रहे थे जमील : जमील ने इंसाकॉग का अध्यक्ष पद छोड़ दिया है या फिर सरकार ने ही उन्हें हटाया है, इसकी स्पष्ट जानकारी तो नहीं मिल पा रही है और ना ही इसके कारण का ही पता चल पाया है। हालांकि, वो भारत में कोरोना की दूसरी लहर को लेकर सरकार की काफी आलोचना कर रहे थे। उन्होंने देश-विदेश के अखबारों में लेख लिखकर भी सरकार पर सही वक्त पर उचित कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया। जमील अशोक यूनिवर्सिटी में त्रिवेदी स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज के डायरेक्टर हैं। केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष इन्साकॉग का गठन करके उसे 10 प्रयोगशालाएं सौंप दी ताकि कोरोना के वेरियेंट्स पर विस्तृत और सटीक अध्ययन किया जा सके।

कांग्रेस ने केंद्र पर साधा निशाना

बहरहाल, जमील के वैज्ञानिक सलाहकार समूह के अध्यक्ष पद से हटने पर विवाद पैदा हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा है कि जमील को देश का सर्वोत्तम विषाणु वैज्ञानिक का तमगा देते हुए उनके इस्तीफे को दुखद बताया है। उन्होंने ट्वीट किया, "देश के सर्वोत्तम विषाणु वैज्ञानिक डॉ. शाहिद जमील का इस्तीफा वाकई दुखद है। मोदी सरकार में वैसे प्रफेशनल्स की कोई जगह नहीं है जो बिना डर या पक्षपात के बेबार राय रखते हैं।"

कांग्रेस की ही राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद लिखती हैं, "वायरॉलजिस्ट शाहिद जमील भारत की जीनोम सिक्वेसिंग पर चल रहे कार्य की को-ऑर्डिनेटिंग के लिए गठित वैज्ञानिक सलाहकार समूह के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने लिखा कि वैज्ञानिकों को साक्ष्य आधारित नीति निर्माण की राह में कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। विज्ञान के प्रति इस सरकार की उपेक्षा के कारण ही हम आज इस संकट में हैं।"

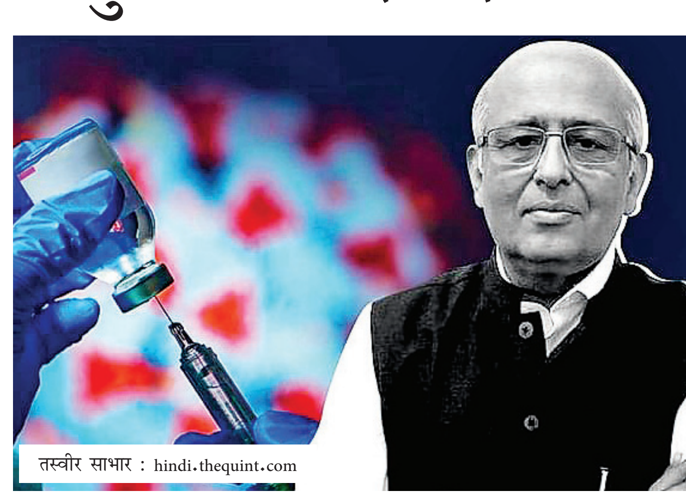

तस्वीर साभार : hindi.thequint.com

विरोध के भी स्वर : हालांकि, ट्विटर हैंडल @arunpudur ने गुप्त सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि शाहिद जमील ने इस्तीफा नहीं दिया है बल्कि सरकार ने उनकी छुट्टी कर दी है। इन्होंने लिखा, "23 दिसंबर, 2020 को शाहिद जमील कहते हैं कि भारत के लिए संकट शायद टल गया है और 16 मई 2021 को कहते हैं कि भारत सरकार उनकी नहीं सुन रही है, इसलिए वो जा रहे हैं।" उन्होंने कहा, सूत्रों ने पहचान गुप्त रखने की इच्छा जताते हुए इस बात की पुष्टि की है कि भारत सरकार ने फॉसी (अमेरिकी सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार) की तरह ढुलमुल नीतियों और दूसरी लहर को बिल्कुल अंदाजा नहीं लगा पाने के कारण जमील को निकाल दिया है।"

तब क्या कहा था जमील ने : ध्यान रहे कि डॉ. शाहिद जमील ने बीते वर्ष 23 दिसंबर को एक न्यूज वेबसाइट को इंटरव्यू में कहा था कि भारत के लिए सबसे बुरा दौर शायद बीत गया है। उस इंटरव्यू में उन्होंने अनुमान जताया था कि भारत में संभवतः कोरोना की दूसरी लहर नहीं आएगी। उन्होंने इसका कारण बताते हुए कहा था कि दूसरे सीरो सर्वे में 15 से 20 करोड़ भारतीयों के कोरोना संक्रमित होने की बात सामने आई है। चूंकि तब सर्वे रिजल्ट आए दो महीने हो गए थे, इसलिए जमील ने कहा था कि अब तो संक्रमितों का आंकड़ा और भी बढ़ गया होगा। जमील ने संभवतः हर्ड इम्यूनिटी की तरफ इशारा करते हुए दूसरी लहर नहीं आने की संभावना जताई थी।

कोविड में अनाथ हुए बच्चों के लिए पुनर्वास के लिए गाइडलाइंस जारी

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने कहा कि जहां तक संभव हो बच्चों को उनके परिवार और सामुदायिक वातावरण में रखने का प्रयास किया जाएगा।

• नई दिल्ली.ब्यूरो

सरकार ने कोविड-19 के कारण अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों के पुनर्वास के लिए प्रक्रिया जारी की है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का सार्वजनिक नोटिस उन खबरों के बीच आया है जिनमें कहा गया है कि सोशल मीडिया पर कोविड के कारण अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को गोद लेने की पेशकश करने वाले कई संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं।

मंत्रालय ने जारी की गाइडलाइंस लोगों को कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले ऐसी कृत्यों में शामिल होने या बढ़ावा देने से बचने की सलाह देते हुए मंत्रालय ने कोविड-19 के कारण अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों के पुनर्वास के लिए कानून प्रक्रिया तय कर दी। मंत्रालय ने कहा कि जिन बच्चों ने कोविड-19 के कारण अपने माता और पिता, दोनों को खो दिया है, उन्हें जिला बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के सामने 24 घंटे के अंदर पेश किया जाएगा। इसमें यात्रा का समय शामिल नहीं है।

समिति देगी आदेश : मंत्रालय ने सार्वजनिक नोटिस में कहा, "समिति बच्चे की तत्काल आवश्यकता का पता लगाएगी और बच्चे के पुनर्वास के लिए उचित आदेश पारित करेगी, या तो बच्चे को देखभाल करने वालों को ही सौंप देगी या मामला दर मामला उसे संस्थागत या गैर-संस्थागत देखभाल में रखने के लिए आदेश देगी।" मंत्रालय ने कहा कि जहां तक संभव हो बच्चों को उनके परिवार और सामुदायिक वातावरण में रखने का प्रयास किया जाएगा। उनके परिवेश में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी और उनके हितों की रक्षा की जाएगी जैसा किशोर न्याय अधिनियम में बताया गया है।

चाइल्डलाइन नंबर पर दें जानकारी : मंत्रालय के मुताबिक, "यदि बच्चे को किसी रिश्तेदार की देखभाल में दिया जाता है तो समिति नियमित रूप से बच्चे की भलाई की जांच करती रहेगी।" मंत्रालय ने यह भी कहा है कि राज्य सरकारों को उन असाधारण मामलों में बातचीत के लिए डिजिटल प्लैटफॉर्म का उपयोग करने की सलाह दी गई है जहां वर्तमान परिस्थितियों में कोविड-19 से संबंधित प्रतिबंधों के कारण व्यक्तिगत रूप से संपर्क संभव नहीं है। मंत्रालय ने यह कहा कि माता-पिता दोनों को खोने वाले किसी भी बच्चे की जानकारी 'चाइल्डलाइन' (1098) के साथ साझा की जा सकती है। मंत्रालय ने कहा कि जो लोग अनाथ बच्चों को गोद लेना चाहते हैं, वे 'संट्रेल एडोप्शन रिसोर्स अथॉरिटी' (cra.nic.in) से संपर्क कर सकते हैं।

एम्स बठिंडा के नर्सिंग स्टाफ ने अपने पेशे के साथ किया विश्वासघात : सोनी

उच्च अधिकारियों के साथ बदतमीज़ी करने के भी लगे दोष

• चंडीगढ़.ब्यूरो

कोविड माहामारी की दूसरी लहर के कारण पैदा हुई संकट की घड़ी में लोक सेवा से भागे एम्स बठिंडा के नर्सिंग स्टाफ ने अपने पेशे के साथ दगा किया है। यह बात पंजाब के चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री ओम प्रकाश सोनी ने आज यहां जारी एक प्रैस बयान में कही।

सोनी ने कहा कि जब पूरी दुनिया इस संकट की घड़ी में डॉक्टरों और स्टाफ नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ की सहायता से इस घातक वायरस का मुकाबला कर रही है और आम लोग भी मानवता के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर पीड़ित लोगों की मदद कर रहे हैं तो उस समय एम्स बठिंडा से विशेष तौर पर रजिन्दर हस्पताल में कोरोना मरीजों की देखभाल के लिए भेजे गए नर्सिंग स्टाफ द्वारा बिना वजह धरना लगाकर ज़िंदगी बचाने के लिए लड़ रहे लोगों की जान को खतरे में डाला है।

सोनी ने कहा कि एम्ज बठिंडा से स्टाफ नर्सों के आने संबंधी सूचना मिलते ही ज़िला प्रशासन पटियाला द्वारा स्टाफ नर्सों के रहने का प्रबंध एक सरकारी महिला होस्टल में किया गया था परंतु जैसे ही सूचना मिली कि पुरुष नर्सिंग स्टाफ आ रहे हैं तो सोमवार शाम को इन नर्सिंग स्टाफ के रहने का प्रबंध प्रो. गुरसेवक सिंह सरकारी शारीरिक शिक्षा कॉलेज पटियाला के होस्टल में किया था और इन नर्सिंग स्टाफ के रहने के लिए सभी ज़रुरी प्रबंध जैसे कि होस्टल की साफ़ सफ़ाई, सैनीटाईजेशन, बाथरूमों की साफ़ शफाई और बैडिंग का प्रबंध होस्टल वार्डन द्वारा एस.डी.एम. पटियाला और प्रिंसिपल सरकारी मैडीकल कॉलेज और मैडीकल सुपरिडेंट की मौजूदगी में करवाया गया था और होस्टल मैस में बढ़िया खाने का भी प्रबंध किया गया था जिसकी गुणवत्ता ख़ुद प्रिंसिपल सरकारी मैडीकल कॉलेज और मैडीकल सुपरिडेंट द्वारा निर्धारित गई थी। उन्होंने कहा कि इन नर्सिंग स्टाफ की बाकी सभी पूरी की जाने वाली माागों को भी साथ के साथ पूरा कर दिया गया था परंतु इनके द्वारा हर रूम में कूलर मुहैया करवाने और रजिन्दरा अस्पताल आने जाने के लिए एयर कंडीशनर बस और फ्रिज मुहैया करवाने की मांग पूरी करवाने के लिए ही शोर मचाया जा रहा था।

उन्होंने कहा कि जब इनको बीते कल आइसोलेशन वार्ड में ड्यूटी के लिए ले जाया गया तो ये मेल नर्सिंग द्वारा कहा गया कि हमें पी.पी.ई किट पहनने नहीं आती और वार्ड में ड्यूटी के दौरान सैंपल लेने में भी असमर्थता ज़ाहिर की गई। इसके अलावा उच्च अधिकारियों के साथ बदतमीज़ी भी की गई।

वर्चुअल फरेबियों की आई शामत

आ गया 'फेक-बस्टर'

• नई दिल्ली.ब्यूरो

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़, पंजाब और मॉनाश यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया के अनुसंधानकर्ताओं ने 'फेक-बस्टर'नामक एक ऐसा अनोखा डिटेक्टर ईजाद किया है, जो किसी भी ऑनलाइन फरेबी का पता लगा सकता है। विदित हो कि ऐसे फरेबी बिना किसी की जानकारी के वर्चुअल सम्मेलन में घुस जाते हैं। इस तकनीक के जरिये सोशल मीडिया में भी फरेबियों को पकड़ा जा सकता है, जो किसी को बदनाम करने या उसका मजाक उड़ाने के लिये उसके चेहरे की आड़ लेते हैं।

मौजूदा महामारी के दौर में ज्यादातर कामकाज और आधिकारिक बैठकें ऑनलाइन हो रही हैं। इस अनोखी तकनीक से पता लगाया जा सकता है कि किस व्यक्ति के वीडियो के साथ छेड़-छाड़ की जा रही है या वीडियों कॉन्फ्रेंस के दौरान कौन घुसपैठ कर रहा है। इस तकनीक से पता चल जायेगा कि कौन फरेबी वेबीनार या वर्चुअल बैठक में घुसा है। ऐसी घुसपैठ अक्सर आपके सहकर्मी या वाजिब सदस्य की फोटो के साथ खिलवाड़ करके की जाती है।

'फेक-बस्टर'विकास करने वाली चार सदस्यीय टीम के डॉ. अभिनव धाल ने कहा, "बारीक कृत्रिम बौद्धिकता तकनीक से मीडिया विषयवस्तु के साथ फेर-बदल करने की घटनाओं में नाटकीय इजाफा हुआ है। ऐसी तकनीकें दिन प्रति दिन विकसित होती जा रही हैं। इसके कारण सही-गलत का पता लगाना मुश्किल हो गया है, जिससे सुरक्षा पर दूरगामी असर पड़ सकता है।"डॉ. धाल ने भरोसा दिलाया, "इस टूल की सटीकता 90 प्रतिशत से अधिक है।"अन्य तीन सदस्यों में से एसोशियेट प्रोफेसर रामनाथन सुब्रमण्यन और दो छात्र विनीत मेहता तथा पारुल गुप्ता हैं।

पीएयू लुधियाना को पंजाब सरकार से मिलने वाला अनुदान बंद करने के निर्देश

• चंडीगढ़.ब्यूरो

पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने आज एक हुक्म जारी करके पंजाब सरकार को हिदायत की है कि जब तक पंजाब कृषि यूनिवर्सिटी लुधियाना द्वारा राज्य सरकार की ओर से राज्य में लागू आरक्षण नीति लागू नहीं की जाती तब तक अनुदान/फंड जारी न किये जाएं। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग की चेयरपर्सन तजिन्दर कौर ने बताया कि दलवीर कुमार और अन्य, पी.ए.यू. एस.सी. /बी.सी. इम्पलाईज़ वैलफेयर एसोसिएशन पी.ए.यू. कैंपस फ़िरोज़पुर रोड ज़िला लुधियाना ने शिकायत की थी कि पंजाब कृषि यूनिवर्सिटी द्वारा अस्तित्व में आने से लेकर अब तक यूनिवर्सिटी में आरक्षण नीति लागू नहीं की गई। जिस पर आयोग द्वारा पी.ए.यू. से इस संबंधी एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी गई थी। तजिन्दर कौर ने कहा कि जो संस्था पंजाब सरकार /भारत सरकार से फंड प्राप्त करती है। उस संस्था में पंजाब सरकार /भारत सरकार की आरक्षण नीति लागू की जानी बनती है।

मोहाली में बनेगा 80 बैडों वाला अस्थायी कोविड अस्पताल

चंडीगढ़. कोविड संकट से निपटने के लिए राज्य में समय पर मरीजों को इलाज मुहैया करवा कर और बैडों की क्षमता बढ़ाते हुए पंजाब सरकार ने स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से अस्थायी कोविड अस्पताल स्थापित करने के लिए मंज़ूरी देने की प्रक्रिया शुरू की है।

मोहाली में ऐसे पहले प्रोजैक्ट को स्व-घोषणा के आधार पर आवेदन जमा करवाने के 24 घंटों के अंदर-अंदर एन.ओ.सी. मिल गई है। महामारी की इस मुश्किल घड़ी में तुरंत और निर्विघ्न मंजूरी को यकीनी बनाने के लिए सम्बन्धित सरकारी विभागों की तरफ से राज्य में ऐसे अस्थायी कोविड अस्पताल स्थापित करने के मद्देनज़र लोगों को उत्साहित करने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर्स में ढील दी गई है। इसमें स्वास्थ्य विभाग, स्थानी निकाय, मकान और शहरी विकास, पंजाब प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, लोक निर्माण और श्रम विभाग शामिल हैं। इन्वेस्ट पंजाब को सभी सम्बन्धित विभागों से ज़रुरी एनओसी/सैद्धांतिक मंजूरीयां जारी करने के लिए नोडल कार्यालय बनाया गया है। कोई भी व्यक्ति/समूह जो अस्थाई अस्पताल स्थापित करना चाहता है, सिर्फ़ आवेदन फार्म भरकर और स्व-घोषणा पत्र जमा करके इन्वेस्ट पंजाब को अप्लाई कर सकता है।

देहाती थानों को सामान वितरित

• जिला जालंधर देहाती के सभी पुलिस स्टेशनों में तैनात कर्मचारियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक थाने को एक फ्रिज 235 लीटर, एक वाटर डिस्पैंसरस, एयर कूलर, 2 डायनिंग टेबल समेत 10 कुर्सियां, क्रोकरी, किचन समेत 10 बैड, 10 गद्दे व 10 प्लास्टिक की कुर्सियां उपलब्ध करवाई गईं। इस मौके पर एसएसपी रूरल नवीन सिंगला, एसपी हैडक्वार्टर रवि कुमार व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

गांवों में कोरोना प्रसार रोकने को शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य

जालंधर ब्रीज. ग्रामीण इलाकों में कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए पंजाब सरकार ने गांवों में इस बीमारी पर काबू पाने की पहल की है। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में इस बीमारी के बढ़ते प्रसार को रोकने के लिए गांवों में कोरोना टेस्टिंग और टीकाकरण बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

सिविल सर्जन डॉ. बलवंत सिंह के मुताबिक, कोरोना की दूसरी लहर ने ग्रामीण इलाकों को काफी प्रभावित किया है इसलिए पंजाब सरकार ने मिशन फतेह 2.0 कोरोना मुक्त ग्राम अभियान शुरू किया है। जिसके तहत प्रखंड स्तर पर एसडीएम, एसएमओ और बीडीपीओ तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। प्रत्येक गांव को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से मैप किया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग, सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग आदि विभिन्न विभागों के सहयोग से कोविड सैंपलिंग, डोर टू डोर सर्वे और शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य हासिल करना होगा।

लेखिका
राधा शर्मा

कोरोनाकाल और रिश्ते

भूत, भविष्य और वर्तमान के मध्य
यह कोरोनाकाल तो देखो कैसा आया
बदलने लगी है धीरे- धीरे रिश्तों की काया
यह माना .....
मार्क्स, सेनेटाइज़र और सोशल डिस्टेंसिंग है जरूरी,
पर हम किसी से बात भी न करें यह कैसी है मजबूरी।
यह आधुनिक काल तो गतिमान पहले से ही था,
रिश्तों-नातों को समय दें इतना वक्त भी नहीं था।
बुआ , दादी , नानी , फूफी सब हो गए रिश्ते दूर,
जो बच गए थे रिश्ते, वे औपचारिकता से भरपूर।
समझ ना आए अब कौन है अपना , कौन पराया,
हाय रे ! कोरोना तूने फैलाई कैसी माया।
एक दूजे को प्रश्न चिन्ह के साथ मिलते हैं
डर- डरकर अब हम सब जीते हैं
घोट दिया इंसानियत का गला इस कोरोनाकाल ने
भर दिया रिश्तो में अकेलापन इस कोरोनाकाल ने
सूने हो गए घर-बाज़ार पार्क और मैदान
यह देख मैं हो गया बहुत हैरान।
इस अवसर पर मुझे याद आई संस्कृत की एक सूक्ति
"अति सर्वत्र वर्जते" उचित जान पड़ती है यह उक्ति।

SPORTS PLANET स्पोर्ट्स प्लेनेट

वर्ल्ड टी-20 : कोरोना के बीच तलाशा जाएगा मेजबानी का रास्ता, 29 मई को बीसीसीआई की बैठक

सूत्रों की माने तो आईसीसी की बैठक से पहले बीसीसीआई अपनी रूपरेखा तैयार करना चाहता है। जहां कोरोना के मौजूदा हालातों और प्रोटोकॉल के बीच अक्टूबर-नवंबर में विश्व कप की मेजबानी से जुड़े मसलों पर चर्चा होगी।

• नई दिल्ली.ब्यूरो

भारत में इस साल होने वाले वर्ल्ड टी-20 को लेकर बीसीसीआई ने एक स्पेशल जनरल मीटिंग (एसजीएम) बुलाई है। 29 मई को होने वाली इस ऑनलाइन बैठक में 1 जून को प्रस्तावित आईसीसी मीटिंग पर भी चर्चा हो सकती है।

सूत्रों की माने तो आईसीसी की बैठक से पहले बीसीसीआई अपनी रूपरेखा तैयार करना चाहता है। जहां कोरोना के मौजूदा हालातों और प्रोटोकॉल के बीच अक्टूबर-नवंबर में विश्व कप की मेजबानी से जुड़े मसलों पर चर्चा होगी।

नौ शहरों का चुनाव

सूत्र की माने तो बीसीसीआई ने टी-20 विश्व कप के आयोजन के लिए नौ शहरों को चुना है। अहमदाबाद, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरू, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ और धर्मशाला के नाम शामिल हैं। अब भारत में

कोरोना के हालात को ध्यान में रखते हुए आईसीसी इस टूर्नामेंट के आयोजन स्थल पर अंतिम फैसला लेगा।

आईसीसी के एक निरीक्षण दल को 26 अप्रैल को दिल्ली आकर आईपीएल के बायो-बबल का जायजा लेना था लेकिन भारत यात्रा पर लगे प्रतिबंध के कारण दौरा स्थगित करना पड़ा। एसजीएम में टी-20 विश्व कप पर चर्चा के अलावा इंटरनेशनल कैलेंडर, महिला क्रिकेट के बारे में भी चर्चा होगी।

भारत के पास प्लान बी

यहां यह बताना भी जरूरी हो जाता है कि अगर भारत टी-20 विश्व कप का आयोजन नहीं कर पाता है तो यूएई पहला विकल्प होगा। इस साल 18 अक्तूबर से 15 नवंबर के बीच टी-20 विश्व कप का आयोजन होना है। बीसीसीआई ने पिछले साल संयुक्त अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के साथ एक करार किया है। मतलब भले ही टूर्नामेंट को यूएई में स्थानांतरित कर दिया गया हो, इसे आयोजित करने की जिम्मेदारी बीसीसीआई की होगी। साथ ही सारे वाणिज्यिक मुद्रीकरण अधिकार भारतीय बोर्ड के पास रहेंगे।

लेवांडोवस्की ने एक सीजन में दागे 40 गोल, महान मुलर के रेकॉर्ड की बराबरी की

मुलर ने बुंदेस्लीगा के शीर्ष स्कोरर का अवॉर्ड सात बार जीता है। 427 मैचों में 365 गोल के साथ वह बुंदेस्लीगा के इतिहास के सबसे सफल स्ट्राइकर हैं। 349 मैचों में 278 गोल के साथ लेवांडोवस्की ऑल टाइम की लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं।

बर्लिन : बायर्न म्यूनिख के स्ट्राइकर रोबर्ट लेवांडोवस्की ने बुंदेस्लीगा में एससी फ्रेबर्ग के खिलाफ मैच के दौरान जर्मनी के लेजेंड स्ट्राइकर गेर्ड मुलर के रेकॉर्ड 40वें गोल की बराबरी कर ली है। बायर्न म्यूनिख ने फ्रेबर्ग के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला। 40वां गोल करने के साथ ही लेवांडोवस्की ने अपनी शर्ट को हाथ में लेकर घुमाया और अपनी खुशी जाहिर की।

लेवांडोवस्की ने जैसे ही 26वें मिनट में गोल किया बायर्न म्यूनिख की पूरी टीम लेवांडोवस्की के लिए चियर करने लगी। लेवांडोवस्की ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैंने वह गोल किया जिसे करने के बारे सोचना भी असंभव था। मैं बायर्न म्यूनिख के लिए इतिहास बनाकर तथा लेजेंड खिलाड़ी मुलर के नक्शेकदम पर चलकर गर्व महसूस कर रहा हूं।'

उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए सम्मान की बात है लेकिन मुलर ने जो किया था वो अविश्वनीय है।' मुलर ने 1971-72 के सीजन में 34 मैच में रेकॉर्ड 40 गोल किए थे। वह जर्मन लीग में ऑल टाइम लीडिंग गोल स्कोरर हैं। मुलर ने बुंदेस्लीगा के शीर्ष स्कोरर का अवॉर्ड सात बार जीता है। 427 मैचों में 365 गोल के साथ वह बुंदेस्लीगा के इतिहास के सबसे सफल स्ट्राइकर हैं। 349 मैचों में 278 गोल के साथ लेवांडोवस्की ऑल टाइम की लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं।

क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जोकोविच-नडाल

रोम. दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और स्पेन के दिग्गज राफेल नडाल इटालियन ओपन में क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। सर्बिया के जोकोविच ने जहां एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को एकतरफा मुकाबले में 6-2, 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। जोकोविच का अगला मुकाबला मोंटे कार्लो के चैंपियन स्टेफानोस सितसिपास या मैड्रिड ओपन के उपविजेता माटेओ बेरेटिनी से होगा। यह दोनों खिलाड़ी रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल है। दूसरी ओर नडाल को संघर्षपूर्ण जीत नसीब हुई। एक सेट से पीछे रहने और ब्रेक डाउन बचाने के बाद उन्होंने कनाडा के डेनिस शेपोल्व को 3-6 6-4

Italian Open 2021

7-6 (7-3) से हराया। यह मुकाबला लगभग साढ़े तीन घंटे तक खेला गया।

स्टेडियम में दर्शकों की वापसी : टूर्नामेंट के शुरूआती चरणों में दर्शकों की मौजूदगी की अनुमति नहीं थी लेकिन इटली सरकार के फैसले के बाद गुरुवार से स्टेडियम में क्षमता के 25 प्रतिशत दर्शकों को आने की मंजूरी दी गई। मैच में शानदार जीत दर्ज करने के बाद पांच बार के चैम्पियन जोकोविच ने कहा, 'यह सिर्फ अच्छा नहीं बल्कि शानदार था।

सुशील पहलवान को बड़ा झटका, कोर्ट ने खारिज की अग्रिम जमानत याचिका

नई दिल्ली : हत्या के आरोप में फरार पहलवान सुशील कुमार के बचने के सारे दरवाजे बंद हो चुके हैं। दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में आज मंगलवार को उनकी अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज की कर दी गई, इससे एक दिन पहले दिल्ली पुलिस ने उनपर एक लाख और सहयोगी अजय पर 50 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की थी, जिसके बाद उन्होंने अग्रिम जमानत की याचिका दायर की थी। कोर्ट ने क्या कहा?

रोहिणी अदालत में सुनवाई के दौरान सुशील के हवाले से उनके वकील ने कहा कि इस मामले में उनका कोई लेना-देना नहीं है। सुशील कुमार की ओर से सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा और बुजुर्ग वकील आरएस जाखड़ ने दलील दी। उन्होंने सुशील के हवाले से कहा, 'मैं एक अंतराष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी हूं। पद्मश्री समेत देश के तमाम प्रतिष्ठित पदकों और सम्मानों से सुसज्जित हूं। ओलिंपिक में दो बार पदक जीतने वाला खिलाड़ी हूं। मुझे छत्रसाल स्टेडियम में मेरे आधिकारियों कर्तव्यों के वहन के लिए आवास मिला हुआ है, जहां मैं अपने परिवार के साथ रहता हूं।' क्या है पूरा मामला?

सुशील कुमार पर 5 मई को युवा पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड में शामिल होने का आरोप है। दरअसल, मॉडल टाउन थाना क्षेत्र के छत्रसाल स्टेडियम में फ्लैट खाली कराने को लेकर पहलवानों के दो गुट आपस में भिड़ गए थे, जिसमें पांच पहलवान गंभीर रूप से घायल हो गए थे, गंभीर रूप से घायल युवा पहलवान सागर ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था। **पुलिस लगातार मार रही छापे :** दिल्ली पुलिस की जांच में सुशील के कई गैंगस्टरों से सांठगांठ की बात सामने आई है। पुलिस को यह भी पता लगा है कि गैंगस्टरों के गुर्गे छत्रसाल स्टेडियम में आते थे। दिल्ली एनसीआर में लगातार छापे के बावजूद आरोपी पहलवान गिरफ्त में नहीं आ पा रहा। पुलिस की कई टीम सोनीपत, पानीपत, झज्जर और गुरुग्राम समेत कई जगहों पर लगातार दबिश दे रही है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.